नईदुनिया

खास-खबरें

इथेनॉल की बढ़ती मांग से अनाज पर दबाव की आशंका

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण बढ़ाने की नीति के बीच खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि इथेनॉल उत्पादन की मांग तेजी से बढ़ती है तो इसका असर केवल वाहनों के ईंधन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अनाज की उपलब्धता और कीमतों पर भी प्रभाव पड़ सकता है। भारत में पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने की नीति के तहत मिश्रण की मात्रा बढ़ाई जा रही है। ई20 यानी पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण के बाद भविष्य में इसे और बढ़ाने की योजना पर काम किया जा रहा है। इथेनॉल बनाने के लिए गन्ना, मक्का और अन्य कृषि उत्पादों का उपयोग किया जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि बड़ी मात्रा में कृषि उपज का इस्तेमाल इथेनॉल उत्पादन में होने लगा तो खाद्य उपयोग के लिए उपलब्ध अनाज पर दबाव बढ़ सकता है। इससे किसानों की फसल प्राथमिकताओं में बदलाव आ सकता है और बाजार में अनाज की कीमतों पर असर पड़ सकता है।

पांच साल की स्थायी नौकरी छोड़ स्टार्टअप जॉइन किया, एक महीने में बेरोजगार हुआ इंजीनियर

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: एक भारतीय डेटा इंजीनियर ने अपनी नौकरी से जुड़ी ऐसी कहानी साझा की है, जिसमें उसने पांच साल की स्थायी नौकरी छोड़कर स्टार्टअप में जाने का फैसला किया, लेकिन नई कंपनी में शामिल होने के एक महीने बाद ही उसे नौकरी से हटा दिया गया।

इंजीनियर के अनुसार, वह पिछले पांच वर्षों से एक स्थिर नौकरी कर रहा था। बेहतर अवसर, नई तकनीक पर काम करने और करियर में आगे बढ़ने की उम्मीद के साथ उसने स्टार्टअप का रुख किया। नई कंपनी में शामिल होने के बाद उसने नए माहौल में काम शुरू किया, लेकिन कुछ ही समय बाद उसे नौकरी समाप्त किए जाने की जानकारी मिली।

उसने बताया कि नौकरी छोड़ने का फैसला उसके लिए आसान नहीं था। स्थायी नौकरी छोड़ने के बाद उसने नई कंपनी पर भरोसा किया था, लेकिन अचानक नौकरी जाने से उसे आर्थिक और पेशेवर चुनौतियों का सामना करना पड़ा। टेक क्षेत्र में स्टार्टअप कंपनियों में कर्मचारियों की नियुक्ति और छंटनी को लेकर समय-समय पर मामले सामने आते रहे हैं। कई कंपनियां कारोबार की स्थिति, वित्तीय जरूरतों और परियोजनाओं में बदलाव के कारण कर्मचारियों की संख्या में बदलाव करती हैं। डेटा इंजीनियर ने अपनी कहानी साझा करते हुए नौकरी बदलने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। उसने कहा कि किसी भी नए अवसर को स्वीकार करने से पहले कंपनी की स्थिति, स्थिरता और भविष्य की योजनाओं की जानकारी लेना जरूरी है।

इस घटना के बाद नौकरी की सुरक्षा और स्टार्टअप में करियर बदलाव को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, तकनीकी क्षेत्र में अवसरों के साथ जोखिम भी जुड़े होते हैं, इसलिए उम्मीदवारों को निर्णय लेने से पहले सभी पहलुओं पर विचार करना चाहिए।

फेरारी की पहली इलेक्ट्रिक कार लूस 382 करोड़ रुपये में बिकी

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: लग्जरी कार निर्माता कंपनी फेरारी की पहली इलेक्ट्रिक कार लूस की पहली उत्पादन इकाई रिकॉर्ड कीमत में बिकी है। इस कार को नीलामी में करीब 382 करोड़ रुपये में खरीदा गया। फेरारी लूस की पहली इकाई को लेकर ग्राहकों और ऑटोमोबाइल जगत में काफी उत्सुकता रही थी।

रिपोर्ट के अनुसार, नीलामी में इस कार की कीमत करीब 40 करोड़ डॉलर तक पहुंच गई। यह फेरारी लूस मॉडल की उत्पादन श्रृंखला की पहली कार है, जिसे विशेष महत्व दिया गया है। फेरारी की इस इलेक्ट्रिक कार के डिजाइन को लॉन्च के समय काफी चर्चा मिली थी। कंपनी ने इसे अपने पारंपरिक स्पोर्ट्स कार डिजाइन और आधुनिक इलेक्ट्रिक तकनीक के संयोजन के रूप में पेश किया है।

फेरारी लंबे समय से अपनी हाई-परफॉर्मेंस लग्जरी कारों के लिए जानी जाती है। इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में प्रवेश के साथ कंपनी ने नई तकनीक और भविष्य की मोबिलिटी पर अपना ध्यान बढ़ाया है। लूस इलेक्ट्रिक कार को कंपनी के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मॉडल माना जा रहा है, क्योंकि यह फेरारी की पहली पूरी तरह इलेक्ट्रिक कार है। पहली उत्पादन इकाई की रिकॉर्ड कीमत में बिक्री ने इस मॉडल की खास पहचान को और मजबूत किया है। नीलामी में खरीदार की पहचान की जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, इस बिक्री को लग्जरी और इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

सेंसेक्स 493 अंक गिरकर 77,235 पर बंद, निफ्टी 133 अंक नीचे

बैंकिंग, रियल्टी, एफएमसीजी और आईटी शेयरों में ज्यादा बिकवाली

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट रही। सेंसेक्स 493 अंक टूटकर 77,235 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 133 अंक की गिरावट के साथ 24,155 पर आ गया। बैंकिंग, रियल्टी, एफएमसीजी और आईटी शेयरों में अधिक बिकवाली देखने को मिली।

मिल्की मिस्ट फूड डायरी का शेयर 18 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 165 रुपये पर एनएसई और बीएसई में सूचीबद्ध हुआ। कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम का मूल्य 140 रुपये था। इस तरह निर्गम में शेयर पाने वाले निवेशकों को सूचीबद्धता के समय ही 18 प्रतिशत का लाभ मिला।

होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स और ललिता ज्वेलरी मार्ट के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम का मंगलवार को दूसरा दिन रहा। दोनों निर्गमों में 19 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। ललिता ज्वेलरी मार्ट निर्गम के जरिए 1,700 करोड़ रुपये और होराइजन इंडस्ट्रियल पार्क्स 2,600 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.55 प्रतिशत, जबकि जापान का निक्केई 2.54 प्रतिशत गिरा। वहीं हांगकांग का हैंगसेंग 0.07 प्रतिशत बढ़ा।

इससे पहले 17 अगस्त को अमेरिकी बाजारों में भी गिरावट रही थी। डाउ जोन्स 0.51 प्रतिशत, नैस्डैक 0.32 प्रतिशत और एसएंडपी 500 में 0.52 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। विदेशी निवेशकों ने पिछले सात दिनों में 3,540 करोड़ रुपये की बिकवाली की है। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इसी अवधि में 15,653 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। पिछले 30 दिनों में विदेशी निवेशकों की खरीद-बिक्री का आंकड़ा 349 करोड़ रुपये रहा। इससे पहले 17 अगस्त को सेंसेक्स 280 अंक गिरकर 77,728 और निफ्टी करीब 78 अंक की गिरावट के साथ 24,287 पर बंद हुआ था।

2027 तक महँगा हो सकता है खाना-पीना, खाद संकट के आसार

रिपोर्ट- सरकार पर खाद सब्सिडी का बोझ 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: वर्ष 2027 तक भारत समेत दुनियाभर में खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने की आशंका जताई गई है। बहुराष्ट्रीय वित्तीय सेवा कंपनी जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट के अनुसार उर्वरक की कमी, भू-राजनीतिक तनाव और अल नीनो के प्रभाव से खाद्य महंगाई बढ़ सकती है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2027 की पहली छमाही में वैश्विक स्तर पर खाद्य कीमतों में 5 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है, जबकि 2026 की पहली छमाही में यह वृद्धि 2.8 प्रतिशत रही थी।

रिपोर्ट के अनुसार मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने से उर्वरक आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। दुनिया की करीब 42 प्रतिशत यूरिया और 27 प्रतिशत अमोनिया आपूर्ति मध्य पूर्व से होती है। युद्ध या अन्य तनाव के कारण आपूर्ति बाधित होने पर उर्वरक की कमी और कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है।

यूरिया जैसे उर्वरक के उत्पादन में प्राकृतिक गैस का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। गैस महंगी होने पर उर्वरक उत्पादन की लागत बढ़ेगी। इससे उर्वरक की कीमत बढ़ सकती है और किसान इसका इस्तेमाल कम कर सकते हैं। इसका असर फसलों की पैदावार पर भी पड़ने की आशंका है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संकट के कारण बंद या प्रभावित हुए उर्वरक कारखानों और गैस संयंत्रों को सामान्य स्थिति में लौटने में एक से पांच वर्ष तक लग सकते हैं।

भारत में 45 किलोग्राम यूरिया की बोरी का निर्धारित मूल्य 266.50 रुपये है। सरकार इसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में इससे कई गुना अधिक कीमत पर खरीदकर किसानों को सस्ती दर पर उपलब्ध कराती है। अधिकारियों के अनुसार इस वर्ष खाद सब्सिडी का खर्च 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। मध्य पूर्व का संकट लंबा चलने पर यह बोझ और बढ़ सकता है।

रिपोर्ट में मौसम को भी खाद्य महंगाई के लिए प्रमुख जोखिम बताया गया है। वर्ष 2026 के अंत तक सुपर अल नीनो आने की 81 प्रतिशत संभावना जताई गई है, जिसका असर 2027 तक रह सकता है। अल नीनो के कारण गर्म और प्रतिकूल मौसम से कृषि उत्पादन प्रभावित हो सकता है। ऐतिहासिक आंकड़ों के अनुसार अल नीनो के दौरान फसलों की पैदावार औसतन 3.5 प्रतिशत तक घट सकती है। भारत की कृषि दक्षिण-पश्चिम मानसून पर काफी निर्भर है। अल नीनो को अक्सर कमजोर मानसून से जोड़ा जाता है, हालांकि इसका प्रभाव हर बार एक जैसा नहीं होता। वर्ष 1997 में मजबूत अल नीनो के बावजूद अन्य मौसमी परिस्थितियों के कारण भारत में सामान्य से 2 प्रतिशत अधिक बारिश हुई थी।

सोना-चांदी सस्ता हुआ, चांदी में 1,920 रुपये की गिरावट

10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1.54 लाख रुपये पर, चांदी 2.34 लाख रुपये किलो पहुंची

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: सोने और चांदी की कीमतों में मंगलवार को गिरावट दर्ज की गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार एक किलो चांदी का भाव 1,920 रुपये घटकर 2.34 लाख रुपये पर आ गया है। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत में 5 रुपये की कमी आई और यह 1.54 लाख रुपये पर पहुंच गई।

इस साल सोने और चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। वर्ष 2026 में अब तक सोना करीब 21 हजार रुपये महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोने की कीमत 1.33 लाख रुपये से अधिक थी, जो अब बढ़कर 1.54 लाख रुपये हो गई है।

चांदी की कीमत में भी इस अवधि में करीब 4 हजार रुपये की बढ़ोतरी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को चांदी का भाव 2.30 लाख रुपये किलो था, जो अब 2.34 लाख रुपये पर पहुंच गया है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपये और चांदी ने 3.86 लाख रुपये का सर्वकालिक उच्च स्तर बनाया था।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय ग्राहकों को कुछ सावधानियां बरतने की सलाह दी जाती है। हमेशा भारतीय मानक ब्यूरो का हॉलमार्क लगा प्रमाणित सोना ही खरीदना चाहिए। हॉलमार्क से सोने की शुद्धता और कैरेट की जानकारी मिलती है। सोने की खरीदारी से पहले उसके वजन और खरीदारी के दिन की कीमत को विभिन्न स्रोतों से जांच लेना चाहिए। 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट सोने के भाव अलग-अलग होते हैं। चांदी की शुद्धता पहचानने के लिए चुंबक परीक्षण, बर्फ परीक्षण, गंध परीक्षण और कपड़ा परीक्षण जैसे तरीके अपनाए जा सकते हैं। असली चांदी चुंबक से नहीं चिपकती, उस पर बर्फ तेजी से पिघलती है और उसमें किसी तरह की गंध नहीं होती।

एलजी इंडिया का राजस्व 15.5% बढ़ा, मुनाफे में 27.2% उछाल

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का संचालन से राजस्व सालाना आधार पर 15.5 प्रतिशत बढ़कर 72.33 अरब रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 62.63 अरब रुपये था। कर पश्चात लाभ (पीएटी) 27.2 प्रतिशत बढ़कर 6.53 अरब रुपये पहुंच गया। कंपनी का एबिटा 26.2 प्रतिशत बढ़कर 9.04 अरब रुपये रहा, जबकि एबिटा मार्जिन 106 आधार अंक बढ़कर 12.5 प्रतिशत हो गया। बड़ी स्क्रीन वाले प्रीमियम टीवी की मांग से होम एंटरटेनमेंट कारोबार का राजस्व 22.3 प्रतिशत बढ़ा। वहीं, होम अप्लायंसेज और एयर सॉल्यूशन सेगमेंट में 13.6 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी ने कहा कि प्रीमियम उत्पादों की मांग, बेहतर बिक्री मिश्रण, ऑपरेटिंग लिवरेज और लागत नियंत्रण से लाभप्रदता मजबूत हुई। त्योहारी सीजन, बी2बी विस्तार और निर्यात वृद्धि को लेकर भी कंपनी आश्वस्त है।

एलजी के 10 उत्पादों को डिजिट इंडिया टॉप अप्लायंस अवार्ड्स

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड को डिजिट इंडिया टॉप अप्लायंस अवार्ड्स 2026 में 10 उत्पादों के लिए सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मौजूद रहे।

पुरस्कारों के लिए उत्पादों का मुंबई और नोएडा स्थित डिजिट की प्रयोगशालाओं में 150 से अधिक तकनीकी मानकों पर परीक्षण किया गया। स्वतंत्र विशेषज्ञ जूरी ने लैब टेस्टिंग डेटा, उपयोगिता और भारतीय उपभोक्ताओं के लिए तकनीक की प्रासंगिकता के आधार पर विजेताओं का चयन किया।

एलजी के विजेता उत्पादों में 5-स्टार स्प्लिट एसी, फ्रेंच डोर रेफ्रिजरेटर, सिंगल डोर रेफ्रिजरेटर, फ्रंट लोड और स्टैकेबल वॉशिंग मशीन, ओएलईडी टीवी, डिशवॉशर तथा कन्वेक्शन और सोलो माइक्रोवेव शामिल हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक हॉंग जू जियोंन ने कहा कि यह सम्मान भारत-केंद्रित नवाचार और उपभोक्ता जरूरतों के अनुरूप तकनीक विकसित करने की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

200 से अधिक शहरों के ज्वेलर्स तक पहुंचेगा स्टीलएज महोत्सव

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: फिजिकल सिक्योरिटी समाधान कंपनी गुनेबो सेफ स्टोरेज ने स्टीलएज महोत्सव 2026 के दूसरे संस्करण की घोषणा की है। अभियान के तहत देशभर के 200 से अधिक शहरों में ज्वेलर्स और रिटेलर्स को आधुनिक एवं बीआईएस-प्रमाणित सुरक्षा समाधानों के प्रति जागरूक किया जाएगा। अभियान में विशेषज्ञों के सुरक्षा जागरूकता सत्र, लाइव उत्पाद प्रदर्शन और इंटरैक्टिव चर्चाएं आयोजित होंगी। कंपनी बीआईएस-प्रमाणित सेफ्स, डायनास्लाइड स्लाइडिंग वॉल्ट डोर, डायनाशील्ड मिनी वॉल्ट और हाई-सिक्योरिटी लॉकिंग सिस्टम जैसी तकनीकों का प्रदर्शन करेगी।

गुनेबो सेफ स्टोरेज के हेड-मार्केटिंग एवं प्रोडक्ट मैनेजमेंट, एशिया, अनिर्बान मुखुटी ने कहा कि ज्वेलरी उद्योग में बढ़ती इन्वेंट्री और बदलती कार्यप्रणाली के साथ सुरक्षा भी आधुनिक होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रमाणित सुरक्षा समाधानों में निवेश अब व्यवसाय की आवश्यकता बन गया है।

कंपनी के अनुसार आधुनिक सुरक्षा समाधानों में बायोमेट्रिक एक्सेस, मल्टी-यूजर ऑथेंटिकेशन, ऑडिट ट्रेल्स, मोबाइल मैनेजमेंट और क्लाउड मॉनिटरिंग जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

स्पेशल खबर सर रतन टाटा ट्रस्ट कोरम की शर्त पूरी नहीं कर सका, अगली बैठक तक जारी रहेगा इंतजार

पहली बार टाटा संस की वार्षिक बैठक टली, तीन बड़े फैसले अटके

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: टाटा समूह के मुख्यालय बॉम्बे हाउस में मंगलवार को होने वाली टाटा संस की वार्षिक आम बैठक पहली बार स्थगित हो गई। बैठक के लिए टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन सुबह ही बॉम्बे हाउस पहुंच गए थे, लेकिन कानूनी और तकनीकी अड़चनों के कारण बैठक में कोई निर्णय नहीं हो सका।

कंपनी के नियमों के अनुसार वार्षिक आम बैठक के लिए कम से कम पांच सदस्यों की व्यक्तिगत मौजूदगी जरूरी है। इसमें सर रतन टाटा ट्रस्ट और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट की ओर से संयुक्त रूप से नामित प्रतिनिधि का होना अनिवार्य है। दोनों ट्रस्टों के पास टाटा संस की कम से कम 40 प्रतिशत हिस्सेदारी रहने तक यह नियम लागू है। वर्तमान में दोनों ट्रस्टों के पास मिलाकर

51 प्रतिशत और पूरे टाटा ट्रस्ट नेटवर्क के पास करीब 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

सर रतन टाटा ट्रस्ट की बैठक नहीं हो पाने के कारण संयुक्त प्रतिनिधि का चयन नहीं हो सका। महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर ने मई में ट्रस्ट के बोर्ड गठन की जांच के संबंध में निर्देश जारी किए थे। इसके बाद से ट्रस्ट की बैठक नहीं हो सकी है।

यह विवाद महाराष्ट्र सार्वजनिक न्यास अधिनियम की धारा 30ए (2) से जुड़ा है। वर्ष 2025 के संशोधन के तहत सार्वजनिक न्यास के बोर्ड में आजीवन या स्थायी न्यासियों की संख्या कुल न्यासियों की संख्या के 25 प्रतिशत तक सीमित की गई है। सर रतन टाटा ट्रस्ट का तर्क है कि यह नया नियम पुरानी नियुक्तियों पर लागू नहीं किया जा सकता।

बैठक स्थगित होने से वित्तीय वर्ष 2025-26 के वित्तीय विवरणों को स्वीकार करने, शेयरधारकों के लिए लाभांश की घोषणा और रोटेशन के तहत सेवानिवृत्त हो रहे निदेशक एन चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति के फैसले अटक गए हैं।

चंद्रशेखरन ने 12 अगस्त को स्पष्ट किया था कि वह टाटा संस के चेयरमैन पद से हट रहे हैं और अगला कार्यकाल नहीं लेंगे। हालांकि, वह निदेशक पद पर बने रहेंगे और अगली बैठक होने तक उनका पद जारी रहेगा। नए चेयरमैन के चयन की प्रक्रिया भी प्रभावित हो सकती है।

टाटा ट्रस्ट्स में पिछले एक वर्ष से बोर्ड प्रतिनिधित्व, नए न्यासियों की नियुक्ति, टाटा संस की संभावित सूचीबद्धता और एयर इंडिया, टाटा डिजिटल तथा टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे कारोबारों में पूंजी आवंटन को लेकर मतभेद रहे हैं। इस दौरान विजय सिंह, मेहली मिस्त्री और वेणु श्रीनिवासन से जुड़े इस्तीफे और पुनर्नियुक्ति के विवाद भी सामने आए हैं।

एक घंटे में 1,754 खातों में पहुंचाता था ठगी का पैसा, साइबर अपराधी गिरफ्तार

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: साइबर ठगी के एक मामले में पुलिस ने 25 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर साइबर अपराधियों के लिए ठगी की रकम को अलग-अलग बैंक खातों में पहुंचाने का आरोप है। जांच में सामने आया कि वह महज एक घंटे के भीतर ठगी के पैसे को 1,754 खातों में ट्रांसफर कर देता था।

पुलिस के अनुसार, आरोपी साइबर ठगी के नेटवर्क में अहम भूमिका निभा रहा था। वह ठगी से प्राप्त रकम को कई खातों में बांटकर जांच एजेंसियों से बचाने की कोशिश करता था। इस प्रक्रिया के जरिए साइबर अपराधियों के बीच पैसों का लेन-देन किया जाता था। जांच में आरोपी के बड़े साइबर नेटवर्क से जुड़े होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस का दावा है कि आरोपी ने साइबर अपराध से जुड़े मामलों में बड़ी मात्रा में धनराशि के प्रबंधन में भूमिका निभाई है। उसके खिलाफ आगे की जांच की जा रही है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस साइबर ठगी के इस नेटवर्क में शामिल बैंक खातों, लेन-देन और अन्य संदिग्ध गतिविधियों की जांच कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, डिजिटल माध्यमों से होने वाली ठगी के मामलों में अपराधी रकम को कई खातों में भेजकर उसकी पहचान छिपाने की कोशिश करते हैं।